512 नवीन इंदरि रसोइयों का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

18 सतिंबर, 2022 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में 512 नई इंदरि रसोइयों का शुभारंभ कयि। इन नवीन रसोइयों के संचालन के बाद प्रदेश में इंदरि रसोइयों की संख्या बढ़कर 870 हो जाएगी।

प्रमुख बदिु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रदेश के वभिन्नि ज़लिों के इंदरि रसोई संचालकों को सम्मानति भी कयि। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य कर रहीं सहयोगी संस्थाओं, पैंथर एजुकेशन सोसायटी जोधपुर, वदि्या जन-जागरण संस्थान धौलपुर, श्रीनाथ शकि्षण प्रशकि्षण व स्वास्थ्य एवं सोशल वेलफेयर सोसायटी रावतसर के प्रतनिधियों को प्रोत्साहन राश, मोमेन्टो तथा साफा पहनाकर एवं श्री मानव सेवा समति भीलवाड़ा, टच स्टोन फाउंडेशन जयपुर तथा मेवाड़ वकिलांग सेवा संस्थान चत्तिौड़गढ़ के प्रतनिधियों को प्रशस्त-पित्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानति कयि।
- मुख्यमंत्री ने कहा क देश में स्व. इंदरि गांधी ने सबसे पहले गरीबों, पछिड़ों एवं वंचतिों के कल्याण के लयि 'गरीबी हटाओ'का नारा दयि था। इसी भाव से आमजन को पूरे सम्मान एवं सेवा भाव के साथ पौष्टक भोजन उपलब्ध कराने के लयि राज्य सरकार द्वारा 'इंदरि रसोई योजना'का संचालन कयि जा रहा है।
- मुख्यमंत्री ने कहा क 'कोई भूखा न सोए'के संकल्प के साथ शुरू की गई 'इंदरि रसोई योजना'के माध्यम से कोरोना काल में 72 लाख लोगों को सरकार द्वारा पौष्टक भोजन उपलब्ध कराया गया। कोरोना काल में आर्थक रूप से कमज़ोर लोगों के लयि न:शुल्क भोजन की भी व्यवस्था की गई।
- इस योजना का लाभ वदि्यार्थयों एवं श्रमकिों सहति सभी वर्ग के लोगों को मलि रहा है। इस योजना के माध्यम से आमजन को मात्र 8 रुपए में पौष्टक एवं भरपेट भोजन उपलब्ध हो रहा है। सरकार इस योजना में 17 रुपए प्रत थाली अनुदान दे रही है।
- अब तक 358 इंदरि रसोइयों से 7 करोड़ से ज़्यादा पौष्टक एवं स्वादष्टि भोजन की थालयाँ आमजन को परोसी जा चुकी हैं। 512 नई रसोइयों की स्थापना से इस संख्या को लगभग 14 करोड़ तक पहुँचाने का लक्ष्य नर्धारति कयि गया है। जल्द ही और रसोइयाँ शुरू कर बजट घोषणा के अनुसार इंदरि रसोइयों की संख्या 1000 की जाएगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/512-new-indira-cooks-inaugurated